

सिवनी (नव प्रदेश)। क्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन को लेकर शनिवार 18 दिसम्बर को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ राहुल हरिदास फीमिंग ने नोडल अधिकारियों को सौंपे गये कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मतदान दल के गठन, प्रशिक्षण, मुद्रण,वाहन प्रबंधन, रूट चार्ट, मतदान दलों को सामग्री वितरण एवं वापसी सहित अन्य निर्वाचन बिंदुओं की प्रागति के संबंध में सम्बन्धित अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्वाचन से जुड़ा प्रत्येक कार्य तथी समय सीमा में पूरा करने के लिए उपस्थित किया। उक्त बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं प्रशिक्षण नोडल श्री पाथं जयसवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडावत सहित सभी नोडल अधिकारियों की उपस्थिति रही।

■ विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएं ■ नई शिक्षा नीति में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रोजगार और नैतिक मूल्यों का समावेश- राज्यपाल

दीक्षान्त समारोह में माननीय राज्यपाल ने मेधावी छात्रों को प्रदान किया स्वर्ण पदक

शहडोल नवप्रदेश

प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा है कि प्राध्यापकों का यह दायित्व है कि वे विद्यार्थियों में सेवा, संस्कार रोपित कर उन्हें आदर्श छात्र एवं नागरिक बनाने का प्रयास करें। राज्यपाल ने कहा कि आदर्श नागरिक बनने के लिए शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। नई शिक्षा नीति में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रोजगार के साथ ही नैतिक मूल्यों का समावेश किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि, विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करें। प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आज पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल के प्रथम दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि, विश्वविद्यालयों में अध्वनरत छात्र-छात्राएं सत्य के मार्ग पर चलकर और धर्म का पालन कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर अपने ज्ञान को शोध और अनुसंधान में लगाएं। उन्होंने कहा कि, विद्यार्थियों के ज्ञान से उनके गांव, प्रदेश व देश का नाम रोशन हो, विद्यार्थी ऐसा कोई कार्य न करें जिससे उनकी मातृभूमि को लांछन लगे। राज्यपाल ने कहा कि,



विश्वविद्यालय में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पदक से सम्मान मिलने के बाद उनकी सामाजिक एवं राष्ट्र के प्रति और जवाबदारी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि मुझे आशा ही नहीं विश्वास है कि इस विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र धन अर्जित करेंगे तथा अपने ज्ञान का उपयोग समाजहित में करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि, आदिवासी अंचलों में सिकल सेल की बीमारी सभी के सामने एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल के प्रति जागरूकता पैदा करने में और इसके नियंत्रण में

विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल की बीमारी के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों को भी इसमें सहभागिता निभाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि, सभी विश्वविद्यालय 5-5 गांव को गोद लेकर सिकल सेल बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करें तथा बीमारी से बचाव के लिए निरंतर प्रयास करें। राज्यपाल ने कहा कि यह वंशानुगत रोग है इसके निदान हेतु सबकों मिलकर प्रयास करने की

आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल की जांच वृहद स्तर पर होनी चाहिए जिससे रोग के बारे में सभी को जानकारी हो और इसका निदान भी संभव हो सके। समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री एवं मध्य प्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) विमुक्त घुमकड़ एवं अर्द्ध घुमकड़ जनजाति कल्याण पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री रामखेलावन पटेल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आदिवासी

अंचल शहडोल संभाग के लिए सब कुछ किया है, इसमें विश्वविद्यालय की स्थापना, मेडिकल कॉलेज की स्थापना एवं इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना प्रमुख है। उन्होंने कहा कि आत्म निर्भर मध्यप्रदेश के लिए हर स्तर पर नागरिकों को प्रयास करना होगा। प्रभारी मंत्री ने विद्यार्थियों को दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक मिलने पर शुभकामनाएं भी दी। दीक्षान्त समारोह को कुलपति सांची विश्वविद्यालय प्रोफेसर नीरजा अरूण गुप्ता कुलपति पं. शंभूनाथ विश्वविद्यालय प्रोफेसर डॉ. मुकेश तिवारी ने भी सम्बोधित किया। पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह में 30 प्रतिभावन छात्रों को पदक और 2222 विद्यार्थियों को राज्यपाल द्वारा उपाधियां वितरित की गई। समारोह में कुलपति डॉ मुकेश तिवारी, कुल सचिव डॉ विनय सिंह, डॉ तारामणि श्रीवास्तव, डॉ सिद्धि श्री सिंह, विधायक जयसिंहनगर श्री जयसिंह मरावी, विधायक जैतपुर श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक ब्योहारी श्री शरद कोल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं पत्रकार तथा काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

न्यूज अपडेट

ओबीसी अधिकार मंच की बैठक 18 दिसंबर को

डिण्डौरी – राजाष् हायर सेकेंडरी स्कूल में 18 दिसंबर को शाम 6 बजे ओबीसी अधिकार मंच की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी आवश्यक विषयों पर विचारोपरांत निर्णय लेकर कार्यक्रम निर्धारित किए जाएंगे। 2021 की जनगणना में ओबीसी जातियों की गणना अलग से करवाने की मांग करना और मंडल कमीशन की शेष सिफारिशों को लागू करवाना, जिनमें ओबीसी को शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रमोशन में रिजर्वेशन देना शामिल है। मध्यप्रदेश में तत्काल 27व रिजर्वेशन लागू करवाने की मांग करना तथा अन्य विषयों पर बैठक का आयोजन किया गया है और सभी अन्य पिछड़ा वर्ग के बंधुओं से बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद / बजरंग दल अनूपपुर के द्वारा गीता जयंती के उपलक्ष्य में सैकड़ों की संख्या में निकाला गया शोय संचलन

कोतमा-अनूपपुर नवप्रदेश। हर साल मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गीता जयंती मनाई जाती है. सनातन धर्म में गीता जयंती का महत्व बहुत ज्यादा है. महाभारत युद्ध से पहले भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था. इसलिए इसे जयंती के रूप में मनाया जाता है. श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ और अनुसरण करने वाले व्यक्ति को मृत्यु के पश्चात मोक्ष की प्राप्ति होती है. गीता सब तरह के संकटों से प्रत्येक उबारने का सर्वोत्तम साधन है. श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्यायों में कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग का उपदेश है. गीता जयंती के दिन ही मोक्षदा एकादशी भी मनाई जाती है. सौर्य संचलन मार्ग इंदिरा चौराहा से निकलकर रेल्वे स्टेशन चौराहा होते हुए राम जानकी मंदिर से पुराना पोस्ट ऑफिस मार्ग होते हुए आदर्श मार्ग से होते हुए बस स्टैंड से निकल सामदपुर हनुमान मंदिर में समापन हुआ राजेंद्र सिंह प्रांत धर्म प्रसार संयोजक अरविंद तिवारी विभाग संगठन मंत्री एवं जिले, प्रखंड, एवं खंड के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे

टीकाकरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य को लेकर निकाली गई जन जागरूकता रैली

अनूपपुर नवप्रदेश। में नगरीय क्षेत्र में सत प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को लेकर जन जागरूकता रैली निकाली गई रैली निकालने के उद्देश्य में यह था कि आगामी सोमवार को सेकंड डोज लगाया जाना है जिसके लिए नगरीय क्षेत्र के 15 वार्डों में

जनप्रतिनिधियों कार्यकर्ताओं की मांग को कांटेक्टर कर रहे अनदेखी

क्षेत्र में चल रहा रेत का खेल

शहडोल नवप्रदेश

शहडोल जिला हमेशा ही रेत के खेल में चर्चाओं में रहा है वर्तमान समय में आलम यह है कि जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की मांग को अनसुना करते हुए तीन से चार रेत खदानों में रेत का खेल खेला जा रहा है किंतु रेतह्व का खेल खेलने वालों पर नाही खनिज विभाग द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और ना ही पुलिस प्रशासन द्वारा। बताया जाता है कि जिले में स्वीकृत रेत खदान की पैमाइश एवं नियम विरुद्ध विक्रय पर रोक नहीं लगाया जा रहा है जोकि नियम की अवहेलना है छधेत्र के इन रेत खदानों में अभी भी नियम विरुद्ध तरीके से रेत का विक्रय किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार रेत का बिल टीपी के साथ उपभोक्ताओं को मौके पर प्रदान नहीं किया जा रहा है इसके अलावा खनन सीमा के बाहर रेत खदान का संचालन किया जा रहा है जिसका सीमांकन किया जाना चाहिए



जीएम खेल रहे रेत का खेल

सूत्र बताते हैं वंशिका ग्रुप के महाप्रबंधक रेत का खेल खेल रहे हैं जिन्हें विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित सत्ता संगठन के लोगों का वरदहस्त भी प्राप्त है। सूत्र बताते हैं कि इन दिनों मैनेजमेंट का जिम्मा सैफ नामक व्यक्ति द्वारा लिया गया हैय



धान खरीददारी केंद्रों में जमकर हो रही बंदरबाट



जिला प्रशासन का आदेश महज एक औपचारिकता

कलेक्टर एवम जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती वंदना वैध में ये आदेश जारी किया था की धान खरीदी केंद्रों में आए किसानों के लिए समस्त व्यवस्था की जाए और कोविड अनुरूप बनाए गए नियमों पे चलकर की धान खरीददारी केंद्रों में लोगों के लिए समस्त वैकल्पिक व्यवस्था की जाए परंतु इसके विपरीत धान खरीदी केंद्रों में ना तो किसानों के मुंह में मारक रहता है ना ही वहां कहीं की राइस मिल प्रबंधक से मेल मिलाप करके शासन को चुना लगाया जा रहा है साथ ही घंटिया क्वालिटी के धान के साथ साथ उसमे जवा आदि भी भरपूर मात्रा में मिलाकर कांटा के समय भी झोल का खेल लगातार जारी है 40 की भर्ती में 2 किलो की काम। भर्ती कर केंद्र प्रभारी और गुग्गे धान खरीदी में जमकर भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं और किसान के पसीने की कीमत को खुद के स्वार्थ की पूर्ति शासन में नियमों के विपरीत खरीददारी को अंजाम दे रहे हैं

जिम्मेदारों की आंख में बंधी पट्टी

जिम्मेदार अगर धान खरीददारी केंद्रों का औचक निरीक्षण करें तो वहां पर व्याप्त अव्यवस्थाएं खुलकर उन्हें देखने को मिलेंगी पर पता नहीं क्यों किस वजह से जिम्मेदारों ने इस वक्त अपनी आंखों में पट्टी बांधकर

घर से चोरी करने वाले को 3 वर्ष का कारावास



कारावास एवं 500/- रू. अर्थदण्ड अर्थात कुल 1000/- रू. के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड की राशि अदा न करने पर आरोपी को पु्थक से 01-01 माह का सश्रम कारावास भुगताये जाने का आदेश पारित किया

गया। उक्त मामले में शासन की ओर से अभियोजन का सशक्त संचालन मनोज कुमार वर्मा, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी जिला डिण्डौरी द्वारा किया गया।

स्टोन क्रेशर की डस्ट स्कूल में जाती है उड़कर

स्टोन क्रेशर प्लान्ट से उड़ रहे डस्ट के गुबार से नौनिहाल और ग्रामीणों का सांस लेना हो रहा दूभर



डिण्डौरी नवप्रदेश

शहर के नजदीक ग्राम खिरसारी में बने स्टोन क्रेशरों की सारी धूल गांव में तथा स्कूल आंगनवाड़ी में जा रही।

डिण्डौरी नवप्रदेश

में ही एक ओर नया क्रेशर शुरू होने की कगार पर गए, जबकि जहां पर नियमों को ताक में रखकर स्टोन क्रेशर संचालित है ग्रामीणों का आरोप है कि यहां पर पशुओं के

आपको बता दें कि ग्राम खिरसारी में बहुत सारे स्टोन क्रेशर लगे हैं जिसमें डिंडौरी शहर के बड़े-बड़े व्यापारीयो जाने-माने नामी-गिरामी लोगों के स्टोन क्रेशर संचालित किए हैं,यही नहीं खिरसरी

चारा गाह में धूल जाती है जिससे पशु चारा चरकर मर रहे हैं। तथा ग्रामीण इस डस्ट के कारण बीमार पड़ रहे हैं। ग्रामीण तथा वहां के स्कूल में पदस्य शिक्षकों का आरोप है कि इस डस्ट के कारण बच्चों में कई तरह की बीमारियां हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर स्टोन क्रेशर संचालित किये जा रहे है यहां मजदूरों को स्वच्छ जल पीने का पानी नहीं मिल रहा तथा शौचालय उपलब्ध नहीं है। यहां के किसानों का आरोप है कि इन खेतों पर कोई फसल नहीं उगाया जा सकता क्योंकि सारी धूल आती है जिस कारण सारे फसल नष्ट हो जाते हैं।

अनूपपुर नवप्रदेश

अनूपपुर विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगवां के भाजपा कार्यकर्ता, क्या भाजपा सहित विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ में जिला पदाधिकारी बनने के योग्य नहीं हैय यदि हैं तो अभी तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के अलावा प्रमुख भाजपा संगठन एवं विभिन्न मोर्चों में जिले के महत्वपूर्ण पद इस पंचायत के भाजपा कार्यकर्ताओं को क्यों नहीं प्रदान किए जाते हैय क्या इस पंचायत के कार्यकर्ता मात्र जिला कार्यसमिति या विशेष आमंत्रित सदस्य के ही योग्य हैय हालांकि इस पंचायत से युवा भाजपा कार्यकर्ता नीरज गुप्ता को युवा मोर्चा का जिला महामंत्री, भाजपा का सह मीडिया प्रभारी एवं किसान मोर्चा का वर्तमान में मीडिया प्रभारी बनाया गया हैय लेकिन प्रमुख पदों में हमेशा ही इस पंचायत के कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज ही किया गयाय नजरअंदाज करने के कारण अनेकों बार सोशल मीडिया में संगठन की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए जा चुके हैय यदि पूर्व के कार्यकाल में नजर दौड़ाई जाए तो इस पंचायत से स्वर्गीय लखन लाल मिश्र को जिला कार्यसमिति सदस्य बनाया गया था सवाल यह उठता है कि क्या इस पंचायत के कार्यकर्ता सदस्य पद भर के लिए उपयुक्त हैं जबकि विधानसभा या लोकसभा चुनाव में कड़ी मेहनत के बाद प्रत्याशियों को विजय श्री भी हासिल होती रही है।

गुटबाजी तो नहीं है कारण

यदि अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बरगवां पंचायत में गुटबाजी की बात की जाए तो भले ही यह पंचायत क्षेत्र रहा है लेकिन गुटबाजी हमेशा हावी रही है पहले रामलाल गुट हावी रहा और अब बिसाहूलाल गुट

हावी हो चुका है हालांकि अनूपपुर विधानसभा उपचुनाव के पूर्व की बात की जाए तो यहां हमेशा ही पूर्व विधायक रामलाल रौतेल एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश द्विवेदी का इस पंचायत में संगठन में दखल रहा हैय पहले तो पूर्व विधायक का गुट हमेशा हावी रहा लेकिन अब कांग्रेस से भाजपा में आ चुके बिसाहूलाल सिंह का गुट भी हावी हो चुका हैय लेकिन संगठन में इन दोनों गुटों के कार्यकर्ताओं को जिला पदाधिकारी नहीं बनाया गयाय जबकि बिसाहू गुट के वर्तमान जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम के बीच सामंजस्य भी अच्छे हैय सवाल यह उठता है कि यदि रामलाल गुट वर्तमान समय में हल्का पड़ रहा है तो बिसाहू गुटके भाजपा कार्यकर्ताओं को महती जिम्मेदारी क्यों नहीं सौंपी गईय इस गुट के संदीप पुरी को महज विशेष आमंत्रित सदस्य बनाकर खानापूर्ति कर दी गई तो वही दूसरी ओर रामलाल गुट नाराज होता चला गयाय और तो और भाजपा के प्रमुख संगठन के अलावा विभिन्न मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की घोषणा की गई उसमें भी बरगवां पंचायत के भाजपा कार्यकर्ताओं को मात्र कार्यसमिति सदस्य ही बनाया गयाय हालांकि अभी भी भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला कार्यकारिणी की घोषणा होना शेष है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि हमेशा की तरह इस मोर्चे में भी बरगवां पंचायत की अनदेखी ही की जाएगी।

प्रत्येक बूथ में मिली वी धिजय

अनूपपुर विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगवां के प्रत्येक बूथों में भाजपा के कार्यकर्ताओं की लगन और मेहनत के कारण भाजपा प्रत्याशी उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी से आगे रहे हैं और पूर्व में भी एक- दो मतदान केंद्र के अलावा हमेशा भाजपा प्रत्याशियों को विजयश्री हासिल होती रही है।



सी टी बी सी एल को रोड सुपरदा
की है जिसका मॉडर्नेस का
जिम्मा टीबीसीएल का ही है तो
रोड मदन गुप्ता की ही हुई तो
सवाल उठना लाजमी है कि ऐसे
कैसे कोई अपनी संपत्ति को
तोड़ने देगा जबकि बनाना तो
इन्ही को है कुछ न कुछ तो लोचा
है इस मामले को बारीकी से
जांच करना चाहिए क्यों कि
मदन गुप्ता की लापरवाही से ही
कई घरों के चिराग बुझे हैं
पत्रकार इन बातों को अनुमानित
इस लिए कह रहा है कि आज
जब रोड से सोल्डर मिट्टी से भरे
जा रहे थे तो ग्रामीणों द्वारा रोक
लगाए गए और मुनीस सिंह नाम
के अधिकारी से बात हुई तब एम
पी आर डी सी / टीबीसीएल
अधिकारी मुनीस सिंह ने बी एस
एन एल द्वारा तोड़े गए रोड
सोल्डर पर आपत्ति जताई कि मेरे
अनजाने में मेरी रोड के सोल्डर
तोड़े गए हैं ऐसे में कार्य में बड़ा
लोचा देखने को मिल रहा है
अतः सरकार को चाहिए कि रोड
में हुई तमाम दुर्घटनाओं के विषययुक्त
मे जांच करे व गुनाहगार के ऊपर
कार्यवाही करे।

तीन हजार करोड का अवैध रेत उत्खनन का घोटाला, मंत्री, सांसद रहे शामिल

पन्ना नव प्रदेश । विगत माह पन्ना जिले के भ्रमण पर आये प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्गविजय सिंह ने अजयगढ क्षेत्र की रेत खदानो का भ्रमण किया था। उन्होने भ्रमण के दौरान व्याफ़् स्तर पर अवैध रेत उत्खनन पाया था उसके पश्चात् सभी तथ्यों को एकत्रित करते हुए चार पेज का पत्र मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को भेजते हुए जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। पत्र की प्रति उन्होने लोकायुक्त को भी दी है। पत्र मे दिये गये विवरण के अनुसार अनेक पेपर्स भी सौंपे थे और लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज किया जाकर रेत माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की थी।

रेत माफियाओं ने उत्तर प्रदेश से लगी सीमा से बने गांव को बना दिया टापू-

उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे पन्ना जिले की अजयगढ तहसील के अनेक गांवों में विगत डेड साल से हजारों करोड रूपये की रेत अवैध रूप से निकालकर रेत माफियाओं द्वारा बेची जा रही है। कई गांव टापू जैसे बन गये हैं, रेत माफियाओं ने गांवों के चारों तरफ से रेत निकाल ली है। इसी क्रम में मेरे द्वारा पिछले सप्ताह पन्ना जिले का दौरा किया गया। इस दौरान अवैध रेत खनन की हेरान कर देने वाली वस्तुस्थिति देखी।

नदियों में उड़ती है धूल भविष्य में पानी का संकट ग्रामीणों के लिए बनेगा खतरा- सैकड़ों किलोमीटर में रेत खोदने से गड्डे ही गड्डे हैं। जहाँ तक भी नजर जाती थी, रेत के टीले नजर आ रहे थे। कई स्थानों पर तो सैकड़ों फुट गहरी जमीन से रेत निकाली गई थी। यह मंजर करोड़ों रूपये की रेत खनन की सच्चाई बयां कर रहा था। ग्रामवासियों ने बताया कि जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस बल के संरक्षण में हजारों

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्गविजय सिंह ने फिर लिखा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को पत्र



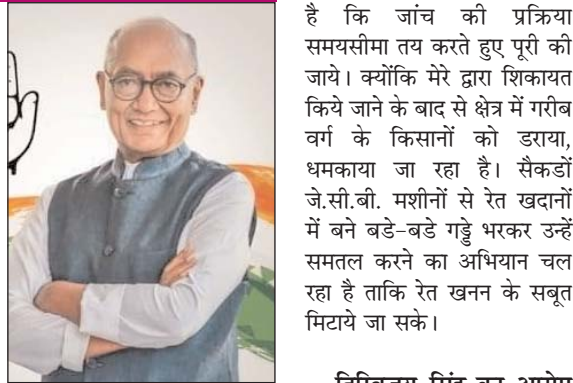
डम्पर रेत प्रतिदिन निकाली जाकर पन्ना सहित उत्तरप्रदेश की सीमा से लगे जिलों में बड़ी कीमत में बेची जा रही है। रेत माफिया ने गरीब वर्ग के अनुसूचित जाति, जनजाति सहित कमजोर वर्ग के लघु और सीमांत किसानों को डरा धमकाकर उनके खेतों को रेत निकालकर खोखला कर दिया।

सत्ता के नशे में चूर प्रशासनिक अधिकारियों ने भी नहीं दिया ग्रामीण लोगों का साथ करते रहे अवैध उत्खनन माफिया- विगत एक वर्ष में इन पीडित किसानों ने कई बार थानेदार, तहसीलदार, एस.डी.एम., एस.पी. और कलेक्टर से शिकायत की पर उनकी पूर्ण रूप से मिली भगत होने से कोई सुनवाई नही की गई। कई मामलों में पीडितों को ही थाने बुलाकर शिकायत करने पर डराया धमकाया जाता रहा है। पीडितों द्वारा की गई शिकायतें संलग्न हैं। अजयगढ क्षेत्र के दौरे में स्थानीय किसानों ने बताया कि केन नदी के पास बसे गांवों में रोजाना सैकड़ों ट्रक और डम्परों से रेत भरी जा रही है। यहां की 70 प्रतिशत रेत उत्तरप्रदेश के 8-10 जिलों में फर्जी टी.पी. के माध्यम से भेजी जा रही है। रेत माफियाओं द्वारा नकली टी.पी. के पोर्टल से जारी एक रसीद निकटवर्ती जिले सतना में पकड़ी गई थी। बताया गया है कि सतना



जिले में इस संबंध में एक मामला भी दर्ज है। ग्रामवासियों ने बताया कि भोपाल से भी अनेक डंकर पन्ना भेजे गये है जो रेत के कारोबार में दिन रात दौड रहे है। यहां के अधिकांश गांवों में जे.सी.बी. सहित पोकलेन मशीनें चौबीसों घंटे रेत खनन में लगी है। होशंगाबाद निवासी रसमीत सिंह मल्होत्रा को 3 साल के लिये पन्ना जिले की रेत का ठेका 31 करोड रूपये में दिया गया। स्थानीय जानकारों ने बताया कि ठेकेदार ने रेत माफियाओं के साथ मिलकर विगत डेड वर्ष में तीन हजार करोड रूपये से अधिक की रेत बेच डाली है। जिन गरीब किसानों के खेत हमेशा के लिये लूट लिये गये है, उन्हें करोड़ों रूपये वसूली के नोटिस भेजे गये है। पन्ना के गांवों में भ्रमण के दौरान कई लोगों ने मुझे रेत माफियाओं की प्रताड़ना से संबंधित पत्र दिये है। इनमें से कई पत्र वे है जो उन्होंने जिले के कलेक्टर, एस.पी., एस.डी.एम., तहसीलदार और थानेदार को दिये थे पर किसी स्तर पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उल्टे छोटे-छोटे किसानों को लाखों-करोड़ों रूपये की वसूली के नोटिस दिये गये है। यह जाँच का विषय है कि रेत माफियाओं ने गैर कानूनी रूप से पहले तो गरीबों के खेत खोदकर करोड़ों रूपयों के खनिज मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह यहां से विधायक है। यह “हजारों

करोड रूपये का रेत घोटाला” इन्हीं जनप्रतिनिधियों के क्षेत्र में चल रहा है। जन चर्चा है कि रेत माफियाओं को दोनों नेताओं का खुला संरक्षण है। इसलिये शासन प्रशासन में किसी अधिकारी की हिम्मत नहीं है कि वो रेत माफियाओं पर कार्यवाही कर सके। खनिज मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह की अपनी विधानसभा में रेत माफियाओं ने हजारो करोड रूपये के राजस्व की क्षति पहुंचाई है। बताया गया है कि उनके परिवार के कई सदस्य, रिश्तेदार रेत के धंधे में भी शामिल है। उनके नाम से क्रेशर खदानें है। यह कृत्य मंत्रीपद के संवैधानिक दायित्वों के विरुद्ध है। मंत्री पद की शपथ में कहा गया कि “मैं बिना किसी भय या पक्षपात के दायित्वों का निर्वहन करूंगा।” पर खनिज मंत्री ने रेत माफिया को संरक्षण देकर शपथ का उल्लंघन किया है। मेरी मांग है कि रेत घोटाले में मंत्री महोदय की सलिसता को देखते हुए उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाये और सम्पूर्ण रेत घोटाले की उच्च स्तर से जांच कराई जाये। भिंड निवासी और पन्ना से सांसद श्री वी.डी. शर्मा के रेत माफियाओं से संबंध उजागर होना चाहिये। क्षेत्र में जन-जन में चर्चा है कि ये दोनों नेता रेत माफियाओं से मिले हुए है। पन्ना जिला का करोड़ों रूपये का रेत खनन घोटाला” यह बताता है कि



है। शिकायत करने पर पुलिस थाने में कई दिन तक बैठकर रखती है वे पुलिस प्रताड़ना का शिकार बन रहे है। मेरा मानना है कि पन्ना जिले के कलेक्टर, एस.पी. सहित विगत डेड वर्ष से जिले में “रेत घोटाले” वाले क्षेत्र में पदस्थ माइनिंग इंस्पेक्टर सहित एस.डी.एम., तहसीलदार और थानेदार, पटवारियों सहित समस्त पारिस्थितिकीय संतुलन भी बिगड़ेगा। नदी के तट के खतम होने से गांवों में बाड का खतरा होगा। किसानों की फसले बाड में खराब हो जायेगी। खनिज माफिया ने सैकड़ों एकड जमीन से चरोखर उजाड दी है। चरोखर सहित पडती जमीन पर चारों तरफ रेत के गड्डे नजर आ रहे है। भविष्य में पालतू पशुओं को चरोखर नहीं मिलेगी। इस संबंध में कुछ सामाजिक कार्यकर्ता एन.जी.टी. भी गये। जिला प्रशासन ने एन.जी.टी. के आदेशों का भी पालन नहीं किया। रामनई नाम का गांव अब टापू में बदल गया है। इसको चारों तरफ से रेत निकालकर समतल कर दिया है। “यह एक संगठित अपराध है जिसमें राजनेता, अधिकारी और माफिया सब शामिल है। सिर्फ रामनई और वीरा गांव से ही हजारों करोड रूपये की रेत निकाली गई है। ये दोनो गांव भयावह रेत खनन का प्रत्यक्ष उदाहरण है। पूरा गांव दहशत में

भी सबूत का हिस्सा मानी जाये। इस मामले में मेरा आपसे अनुरोध है कि जांच की प्रक्रिया समयसीमा तय करते हुए पूरी की जाये। क्योंकि मेरे द्वारा शिकायत किये जाने के बाद से क्षेत्र में गरीब वर्ग के किसानों को डराया, धमकाया जा रहा है। सैकड़ों जे.सी.बी. मशीनों से रेत खदानों में बने बड़े-बड़े गड्डे भरकर उन्हें समतल करने का अभियान चल रहा है ताकि रेत खनन के सबूत मिटाये जा सके।

दिग्गविजय सिंह का आरोप सरकार ने किया सहयोग तभी हुआ रेत का अवैध घोटाला-मेरा मानना है कि सेटलाइट तस्वीरों को निकालकर “हजारों करोड का रेत घोटाला” पकडा जाना चाहिये। ये माफिया समतल कर जमीनों पर फसल बोने की तैयारी में है। इससे पहले कि माफिया सबूतों से छेड़छाड करें पूरे क्षेत्र की वीडियोग्राफी करा ली जानी चाहिये। क्या बिना कलेक्टर की अनुमति के रेत माफिया किसानों से रेत खनन का अनुबंध कर सकते है। उन्होने कहा लेकिन यहा पर यहाँ यह सब हुआ है। ग्राम वीरा में 43, रामनई में 29, बरौली में 13, चंदौर में 10, भानपुर में 8 सहित बल्लू पुरवा, जिगनी, मझगाँव, अहिरन, फरस्वाहा, खरीनी, निमहा, सिंहपुरवा, भीना, उदयपुर, कगरेकाबास, देवगांव में रहने वाले किसानों से अनुबंध कर खेत खोखले कर दिये है। मेरा आपसे पुनः अनुरोध है कि पत्र के साथ संलग्न पेपर्स एवं वीडियोग्राफी की सी.डी. दे रहा हूँ। आपकी जांच में इन दस्तावेजों को भी शामिल कर लिया जाये। इसके आधार पर प्रदेश के अब तक के सबसे बडे रेत खनन घोटाले में प्रकरण दर्ज कर प्रभावी कार्यवाही की जाये और हजारों करोड रूपये की रेत बेचने वालों पर नियम संगत धाराओं में मुकदमें दर्ज किये जाये।

पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया वृक्षारोपण



पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना धर्मराज मीना जी के मार्गदर्शन में जिले के सभी अधिकारियों को पर्यावरण की रक्षा एवं उनका संरक्षण करने के लिये निर्देश दिये गये। इसके तहत सभी थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को छायादार एवं फलदार वृक्षों को लगाने एवं सरक्षित करने के लिये नियमित रूप से श्रमदान करने हेतु प्रेरित किया गया इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना द्वारा बैतूल जिले से कैसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने एवं लाभदायक लक्ष्मीतरु के पौधे मगाकर प्रतेक थाना प्रभारियों को सुपुर्द किये गये ताकि थाने में इस वृक्ष के तैयार होने बाद थाने के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिल सके साथ ही पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों की सेहत को ध्यान में रखते हुये नियमित रूप से योग व्यायाम करने एवं तनाव मुक्त रहने के लिये परामर्श दिये गये।



पिछडा बर्ग मोर्चा तेजगढ़ मंडल से प्रेम सिंह लोधी बने अध्यक्ष

तेंदूखेड़ा/तेंदूखेडा। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी पिछडा वर्ग मोर्चा प्रदेश महामंत्री संजय राय एवं पिछडा बर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा के द्वारा पिछडा वर्ग मोर्चा तेजगढ मंडल से प्रेम सिंह लोधी को मंडल अध्यक्ष बनाया गया प्रेम सिंह लोधी ने बताया कि पार्टी ने जो उनको जिम्मेदारी दी है वो उसका पूरी तरह से निर्वाहन करेंगे और उनके द्वारा बताया गया कि इस मौके पर उन्हें पार्टी के सदस्यों भारत सिंह लोधी मंडल अध्यक्ष बेडी सिंह लोधी मंडल उपाध्यक्ष अनूप सिंह लोधी युवा मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार साहू किसान मोर्चा अध्यक्ष अन्नू जैन आदित्य सोनी ओर समस्त कार्यकर्ता ने बहुत बधाई प्रदान कि



हाइवे के किनारे तेंदूखेडा ओर झालोन रेंज कि सीमा पर काटे गए सागौन के पेड

तेंदूखेड़ा/दमोह। वनमण्डल दमोह की उपवनमंडल तेंदूखेडा की चारो रेंजों में भरपूर मात्रा में कटाई हो रही है यह जग जाहिर है। क्योंकि इन रेंजों के तमाम विटगार्ड अपनी ड्यूटी को लेकर गम्भीर नहीं है जिसके फलस्वरूप जबलपुर सागर स्टेट हाइवे के ठीक किनारे आधा दर्जन पेड काटे हुए डले।लकडी की कीमत हजारो रुपये से अधिक बताई जा रही है।झालोन ओर तेंदूखेडा रेंज कि सीमा पर आए दिन सागौन के पेड दिन दहाड़े काट लिए जाते हैं।और वीट गार्ड को कानो कान खबर नहीं होती है।अधिकतर विटगार्ड गार्ड अपन वीडो ने नियमित गस्ती नहीं करते और



विटगार्ड कि इस आदत का फायदा वन माफिया इस तरह वेशकीमती सागौन को काट कर उठाते है।कभी कभी लगता है कि वनकर्मियों एवम वनमाडियाओ

कि मिलीभगत से ही इतनी सफाई से पेडो की कटाई सम्भव है तभी तो वेटगार्डों को कुछ पता भी नही चलता है ओर जंगल साफ हो जाता है।

इनका कहना है -इस सम्बंध ने उप वन मंडल अधिकारी से बात कि उन्होंने तुरत झालोन एवम तेंदूखेडा के स्टफ को मौके पर भेज कर मामला दर्ज करने को

कहा तथा खुद भी मौके की ओर निकली। वही तेंदूखेडा के रेंजर तौश परासर को फोन लगाया तो उन्होंने बताया कि मैं अभी दमोह में हु अभी दिखवाता हु।



मतदाताओं को जागरूक करने रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

दमोह तेंदूखेडा। जिले की तहसील मुख्यालय जबरा के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। शिक्षिका प्रज्ञा जैन ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शासन के निर्देशानुसार

विद्यालय के प्राचार्य बीपी पाटले एवं शिक्षक कमल सिंह ठाकुर के निर्देशन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने मनमोहक रंगोली सजाकर जागरूकता का संदेश दिया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-

छात्राओं को विद्यालय के प्राचार्य बीपी पाटले द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं द्वारा सजाई गई मनमोहक रंगोली को देखने स्कूल के छात्र छात्राओं सहित उत्कृष्ट विद्यालय में पंचायत चुनारवा की ट्रेनिंग ले रहे मास्टर ट्रेनर्स एवं शिक्षकों द्वारा सराहना की गई।

निवेदक- सरपंच, सचिव ग्राम पंचायत सेवती, जपं. किस्नापुर

प्रबंध संपादक- जगदीश सकतेल, सह प्रबंध संपादक- शिवचरण समुंदरे, सह प्रबंध संपादक मोहम्मद इस्माइल, सलाहकार संपादक-रविकरण साहू email: navpradeshjbp123@gmail.com फोन-0761-4924975